पानी की एक बूँद !

... यदि हम पानी की बूँदों को इसी प्रकार छोटा होते हुए देखते रहेंगे, तो शायद एक दिन मनुष्यों के लिए जरूरी पानी ही नहीं बचेगा !

जल संरक्षण

... क्या समय इतना खराब आ गया है कि अब हमें पानी की एक–एक बूँद का हिसाब रखना पड़ेगा ? शायद अभी तो नहीं, लेकिन लगता है कि बहुत जल्दी यह समय भी आने वाला है! क्या आज वर्षा से प्राप्त पानी की प्रत्येक बूँद धरती पर संग्रहित हो रही है ? शायद नहीं! क्या वर्षा की प्रत्येक बूँद को संग्रहित किया जा सकता है ? अवश्य!

आइये, आप और हम सभी मिलकर
जल संरक्षण करें।

जल संरक्षण

जल संरक्षण क्या होता है?

पानी की प्रत्येक बूँद के सदुपयोग को
जल संरक्षण कहते है।

जल संरक्षण क्यों करना जरूरी है?

पृथ्वी पर
मनुष्य जीवन के लिए
जरूरी पानी की मात्रा सीमित है।
लगातार बढ़ती हुई आबादी से पानी
की माँग एवं उसकी उपलब्धता का संतुलन
बिगड़ गया है। पानी के वर्तमान दुरूपयोग
से मनुष्य का भविष्य खतरे में पड़
सकता है। इसलिए जल संरक्षण
करना जरूरी है।

जल संरक्षण कैसे करें?

धरती
पर मीठे पानी का
सबसे बड़ा स्त्रोत वर्षा
जल है। लगातार बढ़ती हुई
पानी की माँग को पूरा करने के लिए
हमें वर्षा द्वारा प्राप्त पानी की प्रत्येक बूँद
को सहेजना होगा। ठीक इसी प्रकार हमारे
द्वारा काम में लिये जाने के बाद निकलने
वाला तथाकथित गन्दा पानी पुनः हमारे
या किसी अन्य के काम में आने
लायक बनाना होगा। इस
प्रकार पानी के सदुपयोग से पानी की
माँग एवं उसकी उपलब्धता में सन्तुलन
कायम किया जा सकता है।

जल संरक्षण

वर्षा जल संग्रहण कैसे करें ?

अपने घर, दफ्तर, दुकान, मकान, इत्यादि की छतों पर गिरने वाले वर्षा के पानी को इकट्ठा करें।

छतों से मिलने वाले पानी को जमीन पर या नीचे टंकी बनाकर संग्रहित करें।

वर्षा के पानी को फिल्टर द्वारा साफ करें। इस साफ पानी को अपने बोरिंग/कुँओं में ले जाऐं

घर के अन्य स्थानों पर गिरने वाले पानी को जमीन में छोटी कुइआ द्वारा जमीन के नीचे जल स्तर बढ़ाने के लिए ले जाऐं।

वर्षा जल संग्रहण

...
किसी
भी घर की
1000 वर्ग फुट छत
से 25000 से लेकर 40000
लीटर तक वर्षा जल संग्रहित किया
जा सकता है। घर के अन्य स्थानों पर
गिरने वाले वर्षा जल का 40 से लेकर 60
प्रतिशत तक पानी, भूमिगत जल स्त्रोतों में ले
जाया जा सकता है। इस पानी से एक
परिवार की अप्रैल, मई एवं जून
की सभी जरूरतें पूरी की
जा सकती हैं।